

1. (Worker and work) कर्मचारी तथा कार्य :-

उत्पादन का लेबेप कर्मचारी तथा उनके द्वारा
संपादित कार्य से होता है। उत्पादन अधिक
हो इसके लिए समुचित कार्य का होना
आवश्यक है इसी तरह समुचित कार्य के
लिए मशीनों को टूट-फूट से बचाने के लिए
दुर्घटनाओं को कम करने के लिए किसी पद
विशेष या प्रयोज्य कर्मचारी की नियुक्ति आवश्यक
है। जिस प्रकार किसी मनु विशेष या प्रयोज्य
कर्मचारी की नियुक्ति की जाए यह औद्योगिक
मनोविज्ञान की एक मुख्य समस्या है। इस
समस्या के अध्ययन के लिए एवं उचित समाधान
के लिए कर्मचारी का विश्लेषण (Worker
analysis) और कार्य विश्लेषण (Worker analysis)
का अध्ययन हो जाता है।

2. कर्मचारी तथा निरीक्षक (worker and supervisor)

निरीक्षक कर्मचारी के कार्यों का निरीक्षण करता
है। जब कार्य निरीक्षण के साथ ही कर्मचारियों
के मानवीय मूल्यों पर भी ध्यान रखता है तो
औद्योगिक स्थिति बहुत अनुकूल बनी रहती
है। परन्तु प्रायः देखने में आता है कि
निरीक्षक मजदूरों को मानवीय मूल्यों का
नजर अन्दाज करता है। वह अपनी पदोन्नति
के लालच में उपयोगपति के हितों का का
ध्यान सबसे अधिक रखता है। ऐसी
परिस्थिति में हड़तालों का आभाव ही एवं दुर्घटनाएँ

आपेक होती है। किस प्रकार कार्रवाई तथा निरीक्षण के सेवकों को मजदूर बनाया जा सकता है ताकि उत्पादन लागतों एवं दुर्घटनाएं कम हो एवं आधिकाधिक उत्पादन को सौलभाहन मिले, औद्योगिक मनोविज्ञान की एक मुख्य समस्या है।

3. कार्रवाई तथा प्रबंधक (worker and management) - उद्योगपालि एवं उसके द्वारा नियुक्त लोग जिनपर कार्रधानों के संचालन की पूरी जबाबदेही होती है, प्रबंधक वर्ग में आते हैं। जब प्रबंधक वर्ग संतोषजनक नहीं होता तब उद्योग या प्रतिष्ठान प्रभाव पड़ता है। कार्रवाई कार्य में कम रुचि लेते हैं और उत्पादन गिे जाता है या जब प्रबंधक वर्ग के लोग एवं उनके कार्य संतोषजनक हो अर्थात् वे मजदूरों के देवा-दारु काम के जेरे मशीनों का आखुनीकी मूला कारखाने का भौतिक वातावरण एवं अन्य आवश्यकताओं पर समुचित ध्यान दें तो विचारियों अडकूला बनी रहती है। किस प्रकार इस आवश्यकता की पूर्ति की जाय ताकि मजदूरों एवं प्रबंधक वर्ग के दिलों की रसा हो सके औद्योगिक मनोविज्ञान की एक मुख्य समस्या है।